■ अगस्त 2021 ■ वर्ष - 1 ■ पृष्ठ सं. 40 ■ अंक - 1

पधारौ आपरै देश

माटी रौ सन्देश

प्रवासी राजस्थानियों को अपनी माटी से जोड़े रखने का अनुपम प्रयास

बुनियाद 20 साल पहले की

राजस्थान फाउण्डेशन
Rajasthan Foundation

मुश्किल दौर हो या खुशी की कोई डगर
प्रवासियों के साथ रिश्तों को मजबूती देकर
आगे बढ़ रहा राजस्थान प्रगति के पथ पर

एक राह एक मंजिल

शिक्षित, विकसित, स्वस्थ और मजबूत बने अपना राजस्थान

: सहकार्यता :
माणक

रिश्तों की शुरुआत

अन्तरराष्ट्रीय राजस्थानी सम्मेलन : वर्ष 2000 में रखी गई राजस्थान फाउंडेशन की बुनियाद

प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मिट्टी से जोड़ने के लिए बना राजस्थान फाउंडेशन

राजस्थान की वीर प्रसूता धरती अपने रणबांकुरों के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। इस धरती ने देश और पूरी दुनिया को ऐसे उद्यमी और व्यवसायी भी दिए हैं जो आज पूरे विश्व में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। देश में कोलकाता से लेकर उत्तर-पूर्व तक, मुम्बई से लेकर दक्षिण तक, हर जगह व्यापार और अन्य क्षेत्रों में राजस्थानियों की गहरी पकड़ नजर आएगी। देश ही नहीं दुनिया में भी लक्ष्मी निवास मित्तल हो या राहुल बजाज, बिड़ला परिवार हो या करी किंग के नाम से मशहूर सर गुलाम नून। इन जैसे कई लोगों ने राजस्थान का डंका बजवाया है।

नई सदी में नई सोच की शुरुआत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2000 में राजस्थान प्रदेश की स्वर्ण जंयती की वर्षगांठ पर अंतरराष्ट्रीय राजस्थानी सम्मेलन का एक भव्य आयोजन किया। इस सम्मेलन के जरिए देश के विभिन्न प्रांतों और दुनिया भर के देशों में व्यापार और काम कर रहे राजस्थान के लोगों को एक बार फिर से अपनी मिट्टी, अपने गांव, अपने कस्बे और अपने शहर से जोड़ने की कोशिश की गई। यह कोशिश पूरी तरह सफल रही, क्योंकि इस सम्मेलन में कुमार मंगलम बिड़ला, राहुल बजाज, देशबंधु गुप्ता, आर.पी. गोयनका और लॉर्ड राज बागड़ी जैसी कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की।

दूरदर्शी सोच के साथ हुई फाउंडेशन की स्थापना

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में आए प्रवासियों को यह भरोसा दिलाया कि यह रिश्ता आगे भी कायम रहेगा और राजस्थान अपने प्रवासियों के साथ हमेशा खड़ा नजर आएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार और प्रवासी राजस्थानियों के बीच में मजबूत संपर्क बनाने के लिए **राजस्थान फाउंडेशन** के स्थापना की घोषणा की। सम्मेलन के बाद मार्च 2001 में **राजस्थान फाउंडेशन** का गठन किया था। इस फाउंडेशन में सरकार और प्रवासी राजस्थानियों की भागीदारी है, जिससे कि राजस्थान का सामाजिक-आर्थिक ढांचा मजबूत हो सकेगा। पिछले दो वर्ष से फाउण्डेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव के द्वारा प्रवासी राजस्थानियों का अपनी मिट्टी से एक बार फिर से वही जुड़ाव स्थापित किया जा रहा है, जो मुख्यमंत्री की सोच में है।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

Government of Rajasthan

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कठिन दौर में प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि से भावात्मक रूप से जोड़े रखने के लिए राजस्थान फाउंडेशन द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रवासी राजस्थानी देश और दुनिया में जहां भी गए हैं वहां अपने व्यावसायिक कौशल एवं सेवा के साथ प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली विरासत एवं पुनीत परम्पराओं का निर्वहन करते हुए अपनी कर्मभूमि के सामाजिक और आर्थिक विकास में भागीदारी निभा रहे हैं।

यह शुभ है कि राजस्थान के इतिहास, कला, संस्कृति, पर्यटन, महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधाओं के विकास, सामुदायिक कल्याण, औद्योगिक प्रगति के साथ नवाचार के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की जानकारी प्रवासीजन तक पहुंचाने में राजस्थान फाउंडेशन सतत् रूप से सक्रिय है।

आशा है कि प्रवासी बंधु राजस्थान और अपनी जन्मभूमि की समृद्ध परम्पराओं का अनुसरण कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास, सामाजिक सद्भाव और सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से अपना आत्मीय रिश्ता मजबूती से बनाए रखेंगे।

मैं देश और दुनिया में बसे प्रवासी राजस्थानी भाई-बहनों का देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान का गौरव बढ़ाने के लिए सदैव संकल्पबद्ध रहने का आह्वान करते हुए राजस्थान फाउंडेशन के प्रयासों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपेक्षा के साथ अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

अशोक गहलोत

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

#राजस्थान_सतर्क_है

सावधान

कोरोना के नए रूप डेल्टा प्लस का भारत में प्रवेश

कोरोना का ख़तरनाक डेल्टा प्लस वेरिएंट बीकानेर-राजस्थान में प्रवेश कर चुका है।

- कोरोना का डेल्टा वेरिएंट 85 देशों में फैल चुका है, और अब डेल्टा प्लस वेरिएंट भी फैलने लगा है।
- ये वेरिएंट ज़्यादा तेज़ी से फैलते हैं, फेफड़ों को ज़्यादा जल्दी संक्रमित करते हैं और इनमें मृत्यु दर भी अधिक है।
- वैक्सीनेशन के बाद इंग्लैंड खुलने लगा था, पर एक बार फिर मामले बढ़ने लगे हैं।
- इज़राइल में सभी पाबंदियाँ हटा दी गई थी, लेकिन इस नए वेरिएंट के कारण फिर से मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।
- प्रख्यात अमेरिकी विशेषज्ञ, डॉ. फाऊची ने कोरोना के नए वेरिएंट को सबसे बड़ा ख़तरा बताया है।

राजस्थान सतर्क है

- कोरोना की दूसरी लहर के दौरान पूरे देश में दवाइयों, अस्पताल में बैड्स व ऑक्सीजन की भारी किल्लत हुई और लोगों को भारी तकलीफ़ का सामना करना पड़ा। लेकिन आप सबके सहयोग से राजस्थान ने इनके बेहतर प्रबंधन का प्रयास किया।
- हम 2.36 करोड़ प्रदेशवासियों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज़ लगा चुके हैं।
- राज्य में वैक्सीन वेस्टेज 0% से भी कम है।
- हमारी रोज़ 15 लाख वैक्सीन लगाने की तैयारी है और हम केंद्र सरकार से हमें पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन देने के लिए लगातार संपर्क में हैं।

कोविड-19 के बदलते वेरिएंट पर प्रभावी निगरानी रखने के लिए एक अभिनव पहल – जयपुर में SMS मेडिकल कॉलेज में **जीनोम सीक्वेंसिंग** सुविधा स्थापित

मास्क ज़रूरी है

पूरे विश्व में विशेषज्ञ इस बात पर एकमत हैं कि वैक्सीन और मास्क ही कोरोना से बचा सकते हैं। अतः जीवन रक्षा के लिए वैक्सीन लगने से पहले और वैक्सीन की दोनों डोज़ लगने के बाद भी आपको और आपके परिवार को सुरक्षित रखने के लिए मास्क बेहद ज़रूरी है।

मास्क पहनने में लापरवाही बेहद घातक है।

राजस्थान मास्क की अनिवार्यता का कानून लागू करने वाला देश का पहला राज्य था

राजस्थान के **'नो मास्क, नो एंट्री'** जागरूकता अभियान की देश-विदेश में सराहना हुई

कोरोना की तीसरी लहर से आप सबको सुरक्षित रखने के लिए राजस्थान सरकार सजगता से तैयारी कर रही है। चिंता न करें, किंतु सतर्क अवश्य रहें।

1. घर से बाहर निकलें तो हमेशा मास्क पहनें
2. आपस में दो गज़ की दूरी बनाए रखें
3. अपने हाथ साबुन से धोते रहें या सैनेटाइज़ करें

कोरोना या सरकारी सेवाओं से जुड़ी किसी समस्या के लिए 181 पर फ़ोन करें

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

Government of Rajasthan

धीरज श्रीवास्तव
कमिश्नर
राजस्थान फाउंडेशन

संदेश

आपको याद होगा कि आज से लगभग 20 वर्ष पहले माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी द्वारा राजस्थानी प्रवासियों को अपनी मिट्टी से जोड़ने, सम्पर्क एवं समन्वय बनाए रखने के लिए राजस्थान फाउंडेशन की संकल्पना की गई थी। माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि आज हम एक बड़े परिवार के रूप में जुड़ते जा रहे हैं।

पिछले दो वर्षों से संपूर्ण विश्व एक चुनौती का सामना कर रहा है । इस दौरान राजस्थान फाउंडेशन ने अपने प्रवासियों को हर संभव सहायता प्रदान करने की कोशिश की है । राजस्थान सरकार ने जिस हौसले और जज्बे के साथ इस चुनौती का सामना किया है वह अभूतपूर्व है । राजस्थान सरकार सदैव अपने प्रदेश वासियों एवं प्रवासियों की मदद के लिए प्रतिबद्ध है।

मुझे इस बात पर गर्व है कि इस कठिन समय में हमारे प्रवासियों ने अपने प्रदेश के साथ मिलकर इस संघर्ष में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है । आप अपने प्रदेश से दूर जरूर हैं लेकिन आप सभी के हौसले एवं योगदान को देखकर यह अनुभूति होती है कि आप आज भी अपने प्रदेश से उतने ही जुड़े हुए हैं जितना कि यहां के प्रदेशवासी अपनी मातृभूमि से जुड़े हुए हैं ।

हम देश-विदेश में फाउंडेशन के चैप्टर स्थापित कर रहे है। कई प्रवासी राजस्थानियों के संगठनों से हमारा मजबूत जुड़ाव बन गया है। हमने कई ऑनलाइन कार्यक्रमों और सोशल मीडिया के माध्यम से अपने इस जुड़ाव को नई ऊंचाइयां प्रदान की है। वर्चुअल दिवाली, तीज और मकर संक्रांति जैसे त्यौहार हमने अपने प्रवासियों के साथ मिलकर मनाए हैं। राजस्थान की लोक कथाएं हम अपने प्रवासी बच्चों के समक्ष वर्चुअल प्लेटफॉर्म के ज़रिए ला चुके हैं। हमने हमारे ऐतिहासिक मंदिरों के पीछे छुपे विज्ञान का महत्व जैसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया। हमने अपनी भूमिका निभाते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया।

'माटी रौ सन्देश' के इस पहले अंक में हमने राजस्थान फाउंडेशन के पिछले एक साल के सफर को जीवंत किया है । आगे भी हम चाहते हैं कि हम इसी तरह अपने प्रवासियों के साथ जुड़ते रहें और साथ मिलकर अपने प्रदेश की संस्कृति एवं विरासत से जुड़कर अपने प्रदेश की प्रगतिशीलता में भागीदार बनें। आशा है कि आपको हमारा ये प्रयास पसंद आएगा ।

शुभकामनाओं सहित

धीरज श्रीवास्तव

अपनों से संवाद

20 साल पहले रखी नींव, मजबूत रिश्तों की बन गयी राहें, प्रवासियों के साथ चलने की

मुख्यमंत्री के साथ प्रवासियों ने किया वर्चुअल संवाद

माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने अन्तरराष्ट्रीय राजस्थानी कॉन्क्लेव 2000 का आयोजन कर ऐतिहासिक कदम उठाया था और विश्व भर में रह रहे राजस्थानियों को एक साथ जोड़ने का सपना देखा था। मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि राजस्थान फाउंडेशन आज दुनिया के हर कोने में बसे प्रवासियों तक पहुंच पाया है। कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव के नेतृत्व में फाउंडेशन ने मार्च 2020 से आए कोरोना काल की संकट की घड़ी में प्रवासियों के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई और वर्चुअल मीटिंग्स के माध्यम से देश और दुनिया में बसे राजस्थानियों के साथ निरंतर संपर्क साधा और उनके अपनी माटी से जुड़ाव को और मजबूती प्रदान की। प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थान फाउंडेशन के मंच से प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत से 21 मई 2021 को वर्चुअल संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा प्रदेश की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों से राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने सभी प्रवासियों को रूबरू करवाया।

क्या बोले मुख्यमंत्री

जब कभी आपदा या विपत्ति आती है, दूर-दराज रहने वाले हमारे प्रवासी भाई-बहन उदार मन के साथ सहायता के लिए हाथ बढ़ाते हैं। उनके इसी सेवाभाव के कारण पूरी दुनिया में राजस्थान का मान-सम्मान है।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

क्या बोले कमिश्नर

राजस्थान फाउंडेशन ने सबको जोड़ा है, इस मंच के जरिए प्रवासियों ने एकता और मानवता का उदाहरण दिया है। मैं सभी प्रवासियों को राजस्थान के लिए किए गए कार्यों के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

धीरज श्रीवास्तव
कमिश्नर, राजस्थान फाउंडेशन

कनाडा से ऑस्ट्रेलिया तक रहने वाले चुनिंदा प्रवासियों ने किया मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के साथ वर्चुअल संवाद

राजस्थान फाउंडेशन द्वारा 21 मई को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, दुबई, युगांडा, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम सहित अन्य देशों में कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा चेन्नई, पुरी आदि शहरों में रह रहे उद्यमी प्रवासी राजस्थानियों ने मुख्यमंत्री के साथ वर्चुअल सवांद किया। इस संवाद में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों का योगदान प्रदेश के लिए बहुत ही सराहनीय है। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों में बसे राजस्थानियों ने हर तरीके से प्रदेश की मदद की है। ऑक्सीजन से लेकर, वेंटीलेटर और कंसंट्रेटर सभी तरह से प्रवासियों ने प्रदेश के अस्पतालों में अपने स्तर पर मदद पहुंचाई है। मुख्यमंत्री ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में किए जा रहे प्रयासों पर रोशनी डाली और चिरंजीवी योजना, वैक्सीनेशन पर किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया।

> “आपकी सेवा ने साबित कर दिया कि आपको अपनी मिट्टी से कितनी मोहब्बत है। आप सबके कार्यों को मैं देखता हूं तो गर्व होता है कि दूर-दराज बैठे हमारे अपने मुश्किल समय में हमारे साथ हैं। यह समय एक होकर इस महामारी के खिलाफ लड़ने का है, यह लड़ाई हमने अब तक एक होकर लड़ी है। इसमें आप लोगों ने भी एक बड़ी मिसाल पेश की है।”
>
> **अशोक गहलोत**
> मुख्यमंत्री, राजस्थान

संस्कृति से जोड़ने का एक बेहतरीन प्रयास

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने राजस्थान फाउंडेशन की स्थापना के उद्देश्य और मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के द्वारा प्रदेश की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों से सभी प्रवासियों को रूबरू करवाया। धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन प्रवासियों को एक छत के नीचे लाकर प्रदेश की संस्कृति से जोड़ने का एक बेहतरीन प्रयास है। राजस्थान फाउंडेशन ने सबको जोड़ा है, इस मंच के जरिए प्रवासियों ने एकता और मानवता का उदाहरण दिया है। साथ ही कोविड सहित समय-समय पर मुश्किल के समय में प्रदेश और देश की बेहतरी के लिए काम किया है। प्रवासियों ने राज्य सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस लड़ाई में राज्य सरकार के माध्यम से प्रदेशवासियों की मदद को आने वाले दिनों में आवश्यकतानुसार और अधिक बढ़ाने की पेशकश की। उन्होंने वंचितों की मदद करने, राजस्थानी युवाओं को विदेशों में पढ़ाई और रोजगार के लिए अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित करने, प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास और विस्तार में सहयोग के प्रस्ताव भी दिए।

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा राजस्थान फाउंडेशन का गठन कर प्रवासियों को जोड़ने का कार्य अविस्मरणीय है, विश्व के कोने-कोने से प्रवासियों को माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपनी बात रखता देख मुझे अत्यंत खुशी है एवं प्रवासी डॉक्टर्स द्वारा बनाई गई फ्री कंसल्टेशन ऐप से राजस्थान की जनता को इस कठिन समय में अवश्य ही लाभ मिलेगा।

परसादी लाल मीणा
उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार

राजस्थान की माटी से जो आपका प्रेम है और भावनाएं हैं, मैं आपके समपर्ण के आगे नतमस्तक हूं। फ्री कंसल्टेशन ऐप, कंसंट्रेटर भिजवाने एवं अन्य माध्यमों से आपका सहयोग मिलता रहेगा तो राजस्थान निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

डॉ. रघु शर्मा
चिकित्सा मंत्री, राजस्थान सरकार

'आपनी संस्कृति अर भाषा आपनी धरोहर छ ईने बचावण सारू म्है हर सभंव प्रयास करांला'

7 मई 2020 को भी किया था वर्चुअल संवाद

दुनिया के 50 देशों में 90 से अधिक जगहों पर रह रहे प्रवासी राजस्थानियों ने 7 मई 2020 को भी मुख्यमंत्री के साथ वर्चुअल संवाद किया था। उस समय कोरोना का पहला दौर चल रहा था। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रवासियों से कहा कि राजस्थान सरकार का संकल्प और प्रयास है कि दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों का अपनी माटी के साथ जुड़ाव बना रहे। इसी उद्देश्य के लिए 20 वर्ष पहले राजस्थान फाउण्डेशन का गठन किया गया था और सरकार इसके माध्यम से प्रवासियों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बना रही है। कांफ्रेंस के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी प्रवासी बंधुओं को राजस्थानी भाषा में धन्यवाद करते हुए कहा कि राजस्थानी भाषा ने संविधान री आठवीं अनुसूची मांय सामळ करण सारू राजस्थान री विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर'र केंद्र सरकार ने भेज चुकया। आशा है के केंद्र उचित कार्रवाई करैला। राजस्थानी भाषा नै बचाय राखबा तांई राजस्थान सरकार पूरी तरै प्रयासरत है। आपनी संस्कृति अर भाषा आपनी धरोहर छ ईने बचावण सारू म्है हर सभंव प्रयास

राजस्थान के लोग देश-विदेश में रहते हैं। हम चाहते हैं संबंध जुड़े रहें। हम आपको तकलीफ नहीं आने देंगे। सरकार आपके साथ है।

आइए जानें, वर्चुअल संवाद में किसने क्या कहा

आपने साबित कर दिया कि आपको अपनी मिट्टी से कितनी मोहब्बत है। ऑक्सीजन ऑन व्हील प्रदेश की चिकित्सा सेवा में बड़ा कदम साबित होगी ।

कनक गोलिया
अमेरिका में प्रसिद्ध परफ्यूम व्यवसायी

ऑक्सीजन ऑन व्हील ग्रामीण इलाकों में जरूरतमंदों को ऑक्सीजन पहुंचाने का काम कर रही है। इसको आगे ले जाने के लिए आपका सहयोग बहुत जरूरी है।

निखिल मेहता
अमेरिका में राजस्थान मूल के युवा

हम मुश्किल समय में अपनी मातृभूमि के लिए कुछ कर पा रहे हैं। हमने लिक्विड ऑक्सीजन टैंकर, कंसंट्रेटर भेज कर सेवा का एक छोटा सा प्रयास किया है।

दिनेश कोठारी
दुबई में शिक्षण स्कूल व अग्रणी व्यवसायी, यूएई

राजस्थान से दूरी बहुत है मगर,
पास रहकर ही कोई खास नहीं होता,
आप इस कदर पास हो हमारे,
हमें दूरी का एहसास नहीं होता।

नंदी मेहता
अमेरिका इंडिया फाउंडेशन और एसीटी से जुड़े प्रवासी

दूरदर्शी सोच और राजस्थान फाउंडेशन जैसे मंच से मुझे बड़ा बल मिला, वी आर राइजिंग इन लव थ्रू राजस्थान फाउंडेशन। हमें जोड़ने में धीरज जी ने काफी सहयोग किया है।

प्रवीण मेहता
दुबई में नामी सीए व ब्लिस कम्यूनिटी के संस्थापक, यूएई

राजस्थान फाउंडेशन के प्रयासों के कारण ही सभी प्रवासी राजस्थान डॉक्टर्स ऑफ इंटरनेशनल राजस्थान (डोरी) के मंच पर एक साथ आए हैं।

डॉ. रोमित पुरोहित
दुबई के प्रसिद्ध चिकित्सक, उद्यमी व समाजसेवी, यूएई

राजस्थान फाउंडेशन के साथ दुनिया में फैले प्रवासी राजस्थानियों का डेटा बना रहे हैं। प्रदेश के छात्रों को हम कनाडा में हर सुविधा देने का प्रयास करते हैं।

कृष्णा सुराणा
राना अध्यक्ष, निजी कॉलेज के संस्थापक, कनाडा

राजस्थान फाउंडेशन हम प्रवासियों को देश और अपनी मातृभूमि के साथ जोड़ने के लिए एक सेतु बन कर कार्य कर रहा है। हम यहां हर त्यौहार मनाते हैं।

भावना शर्मा
आरएयूके की सदस्या व समाजसेविका, यूके

राजस्थान फाउंडेशन ने सभी प्रवासियों को एक मंच पर लाकर हमें प्रेरित किया है। हम भी सभी प्रवासियों को ऑनलाइन आयोजन के जरिए एक साथ ला रहे हैं।

स्वप्ना भूतड़ा
राजस्थानी एसो. रानी की अध्यक्षा, ऑस्ट्रेलिया

राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर विदेशों में भी शुरु किए जाएं। राजस्थान के अधिकारियों का डेलीगेशन भी विदेशों में भेजा जाए ताकि नवाचारों का आदान-प्रदान हो सके।

राजेश चपलोत
प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त, प्रमुख व्यवसायी, युगांडा

आइए जानें, वर्चुअल संवाद में किसने क्या कहा

मैं राजस्थान फाउंडेशन का बहुत आभारी हूं कि मुझे इस मंच पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी से बातचीत का मौका दिया। मैं सीकर में कारखाना लगाना चाहता हूं।

श्यामसुंदर पोद्दार
प्रमुख व्यवसायी व सीए, उड़ीसा

कोविड काल में मैंने प्रदेशवासियों की सेवा करने का प्रण लिया तो राजस्थान फाउंडेशन ने बहुत मदद की। भ्रष्टाचार के खिलाफ भी मेरा बहुत साथ दिया।

डॉ. नगेंद्र सिंह
समाजसेवी, बेल्जियम

धीरज श्रीवास्तव अच्छा काम कर रहे हैं। राजस्थान फांडेशन के 200 चैप्टर होने चाहिए, ताकि राजस्थानियों से कनेक्टिविटी और बढ़ सके।

कैलाशमल दुग्गड़
उद्योगपति व समाजसेवी, चेन्नई

राजस्थान फाउंडेशन के प्रयास से ही हम आज अपनी मातृभूमि से जुड़ पाए हैं। बच्चों को प्रेरित करने वाली कहानियां आरएफ के ऑनलाइन मंच पर सुनी।

दीप्ति सिंह
इंजीनियर, शिक्षाविद् और गणितज्ञ, इजिप्ट

राजस्थान में बिजनेस की कोई कमी नहीं है। मेरा सुझाव है कि सरकार फाइनेंस और इंडस्ट्री डिपार्टमेंट के साथ मिलकर इसके लिए प्लान तैयार करे।

दिलीप पुंगलिया
लंदन में आरएयूके के प्रमुख सदस्य व समाजसेवी, यूके

हमारा प्रपोजल है कि प्रवासी अपने-अपने गांव में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाकर सरकार को दें। मैं अपने क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाने के लिए पचीस लाख देने की घोषणा करता हूं।

डॉ. जयवीर राठौड़
यूएसए

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच विश्वभर के युवाओं का बड़ा संगठन है। राजस्थान में कोरोना काल के दौरान युवा मंच द्वारा कई सेवा कार्य किए गए।

कपिल लाखोटिया
अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष

राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में मान्यता दिलवाकर राजभाषा बनाना जरूरी है। मुख्यमंत्री जी करोड़ों राजस्थानियों की भावना को समझते हैं।

हनवंत सिंह राजपुरोहित
लंदन में रेस्टारेंट मालिक एवं राजस्थानी भाषा प्रेमी, यूके

कोरोना काल में सीएम गहलोत ने जो कदम उठाए हैं, उसकी पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। अमेरिका में राजस्थान में निवेश को लेकर समिट करें।

के.के. मेहता
राजस्थान फाउंडेशन अमेरिका चेप्टर के अध्यक्ष

प्रवासी राजस्थानी सरकार के साथ हैं। राजस्थान फाउंडेशन की मदद से कोरोना संकट में एक साथ इतने देशों के प्रवासी एक साथ जुड़ कर कार्य कर रहे हैं।

हरेंद्र सिंह जोधा
आरएयूके के संस्थापक सदस्य, शिक्षाविद,यूके

राजस्थान फाउंडेशन की पहल पर साथ आए प्रवासी राजस्थानी इंटरनेशनल डॉक्टर्स

राजस्थान की मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में देंगे हर संभव योगदान

राजस्थान फाउंडेशन ने प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर्स से संपर्क स्थापित किया। राजस्थान मूल के कुल 125 डॉक्टर राजस्थान फाउंडेशन के संपर्क में है। राजस्थान फाउंडेशन ने इन डॉक्टर्स के साथ कई बार ऑनलाइन माध्यम से कई मीटिंग्स की जिसमें स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारी भी शामिल रहे। यह डॉक्टर्स राजस्थान मूल के होने के कारण राजस्थान की मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में हरसंभव योगदान देना चाहते हैं। विदेशों की अत्याधुनिक मेडिकल सेवा से जुड़े नवाचार, सरकार को समय-समय पर देंगे ताकि प्रदेश में उसी तरह का मजबूत मेडिकल सिस्टम लागू हो सके। इसके अलावा वह हमारे प्रदेश को समय-समय पर मेडिकल से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में भी मदद करेंगे।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया टेलीमेडिसिन ऐप

WONDRx पर 'कॉल डोरी' सुविधा

कोविड महामारी के दौर में प्रदेशवासियों की मदद करने के लिए राजस्थान फाउंडेशन की मदद से डॉक्टर्स ऑफ राजस्थान इंटरनेशनल (डोरी) संगठन के डॉक्टर्स ने प्रदेशवासियों को टेलिमेडिसिन के माध्यम से नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श देने के लिए डिजिटल प्लेटफार्म ऐप 'WONDRx' पर 'कॉल डोरी' सुविधा मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने ऑनलाइन समारोह में शुरू की। राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि कई देशों में कार्यरत 'डोरी' से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सक डिजिटल प्लेटफार्म 'WONDRx' के माध्यम से राजस्थान के सुदूर क्षेत्रों में नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श देने की सहमति देकर इस ऐप से जुड़ चुके हैं। WONDRx एक एकीकृत हैल्थटेक स्टार्टअप है, जो एक ही प्लेटफॉर्म पर मरीजों और हैल्थकेयर प्रेक्टिशनर्स को समाधान उपलब्ध कराती है। प्रो-बोनो सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से काम किया है।

'डोरी' से जुड़े विदेशों में बसे कुछ प्रमुख डॉक्टर्स

Dr Romit Purohit
Dubai UAE
Specialist - Sports Ortho Super Specialist - Occupational Health. Designate Board Member Covid Crisis Committee, Govt of Dubai

Dr Mayank Vats
Dubai UAE
Senior Pulmonologist & Sleep Physician, Govt of Dubai

Dr Jaivir Rathore
Florida, USA
Epileptologist , Co-chairman Epilepsy Foundation, Florida USA

Dr Brahmanand Sharma
USA
Sen. Cardiologist, University of Pittssburg, USA

Dr Ravinder S. Shekhawat
Neurologist & Stroke Specialist, Singapore

Dr Deepa V Khandelwal
Dubai , UAE
ENT, Cochlear Implant & Pediatric Sleep Specialist, Govt of Dubai

Dr Ranvir Singh Rathore
USA
Internal Medicine & Bariatric specialist, Ohio Usa

Dr Kusum Nathawat
GP Trainee, UK
MBBS, Keele University
B.Sc. St George's University, UK

Dr Miqdad Bohra
Canada
Assitant Professor, University of Toronto, Canada

Dr Pranav Sharma
USA
Nephrologist & Critical Care, NYC , USA

अपनों का सेतु

हर प्रवासी के साथ खड़ा है राजस्थान

राजस्थान फाउंडेशन बना प्रवासियों के लिए सेतु

प्रवासियों के हित में राजस्थान सरकार सर्तकता से कार्य कर रही है। कोरोना के दौर में सरकार ने प्रवासियों के साथ संवाद और चर्चा को जारी रखा। इसमें राजस्थान फाउंडेशन प्रवासियों और राजस्थान सरकार के बीच सेतु का कार्य करती नजर आई।

मुख्य सचिव ने की राजस्थान फाउन्डेशन के प्रयासों की सराहना

15 दिसंबर 2020 को राजस्थान फाउन्डेशन की 8वीं कार्यकारी समिति की बैठक मुख्य सचिव निरंजन आर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। मुख्य सचिव ने राजस्थान फाउन्डेशन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में बस रहे राजस्थान के लोग न केवल फिर से अपनी संस्कृति के साथ दिल से जुड़ें, बल्कि निवेश के जरिए राज्य के विकास में भी भागीदार बनें, इसके लिए राजस्थान फाउन्डेशन एक मध्यस्थ की तरह काम कर रहा है । कार्यकारी समिति की बैठक 13 साल बाद हुई। बैठक में लिए गए फैसले फाउंडेशन के कार्यों को गति प्रदान करेंगे।

जिला कलक्टर्स प्रवासी राजस्थानियों की समस्याएं दूर करने में सहयोगी बनें : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने राजस्थान फाउंडेशन के नवाचारों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए जिला कलक्टर्स को प्रवासी राजस्थानियों की समस्याएं दूर करने में सहयोगी बनने के निर्देश दिए। फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने प्रवासियों के डाटा संग्रहित करने, माइग्रेट ऐप के निर्माण, जिला कलक्ट्रेट में प्रवासी सेल बनाने, दिल्ली में गरीब राजस्थानी मरीजों की मदद करने, विभिन्न चेरिटेबल प्रोजेक्ट्स एवं जिलों के विशेष नवाचारों पर चर्चा करते हुए प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुझाव लिए।

मुख्य सचिव ने की प्रवासियों के साथ मुलाकात

> राजस्थान की बहुमूल्य कला का परचम विदेशों में लहराया जा रहा है। परंतु उसी कला को देश और राज्य में भी उसी प्रगाढ़ता के साथ प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है।
>
> मुख्य सचिव

राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव की पहल पर विदेश एवं देश के अन्य शहरों से अपने निजी कार्य से जयपुर आए प्रवासी राजस्थानियों की मुख्य सचिव निरंजन आर्य के साथ सचिवालय में एक शिष्टाचार भेंट हुई। प्रवासियों ने कई सुझाव भी दिए। मुम्बई में जयपुर प्रवासी संघ के संरक्षक कृष्ण कुमार राठी, बेल्जियम में जवाहरात व्यवसायी एवं इंडियन रेस्टोरेंट संचालक नगेन्द्र सिंह एवं फ्रांस से धोद बैंड ग्रुप के संस्थापक एवं कलाकार रईस भारती ने कहा कि विदेशों में राजस्थान महोत्सव को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करेंगे।

उच्च अधिकारियों ने किया प्रवासियों से वर्चुअल संवाद

सरकार ने प्रवासियों के साथ निरंतर सम्पर्क बनाए रखा और वर्चुअल माध्यम से निवेश, स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रेक्चर जैसे क्षेत्रों में उनके सुझाव लिए

श्री अखिल अरोड़ा
प्रमुख सचिव, चिकित्सा

प्रदेश की स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवस्थाओं को और मजबूत करने की दिशा में एनआरआर डॉक्टर्स द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों पर कार्य किया जाएगा एवं एनआरआर डॉक्टर्स से नियमित तौर पर वार्तालाप की जाएगी। जिससे विश्व में आ रही नई तकनीकियों को यहां भी लागू किया जा सके।

श्री अरविन्द मायाराम
आर्थिक सलाहकार

राजस्थान फाउंडेशन के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सरहाना करते हुए आर्थिक सलाहकार ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन धीरज श्रीवास्तव के नेतृत्व में अविस्मरणीय कार्य कर रहा है एवं उन्होंने निवेशकों को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें सरकार के साथ एक खास तालमेल की आवश्यकता है।

श्री रोहित कुमार सिंह
तत्कालीन अति. मु. सचिव चिकित्सा

प्रवासियों द्वारा जनता क्लिनिक पर दिए गए सुझावों का जवाब देते हुए तत्कालीन अति. मुख्य सचिव चिकित्सा स्वा.एवं परिवार कल्याण विभाग राजस्थान ने कहा कि प्रदेश में जनता क्लिनिक प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो गया एवं जयपुर में 15 जनता क्लिनिक्स की शुरुआत हो चुकी है।

श्री आशुतोष एटी पेडेनकर
एमडी, रीको

राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम 2020 के तहत ज्यादा से ज्यादा निवेशकों को राजस्थान लाने की योजना है और खासकर राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) का टारगेट प्रवासी राजस्थानी हैं जो अपने प्रदेश में इन्वेस्टमेंट करना चाहते हैं।

आप चाहे किसी दूसरे प्रांत या किसी दूसरे देश में रह रहे हों, हम आपको आपके प्रदेश की तरक्की में भागीदार बनने के लिए सादर आमंत्रित करते हैं

राजस्थान फाउण्डेशन के उद्देश्य ....

- राजस्थान सरकार और उसकी विभिन्न एजेंसियों के साथ राजस्थानियों को जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना
- प्रवासी राजस्थानियों में प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं आदि की उत्पति की बेहतर समझ को बढ़ावा देना
- देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे राजस्थानियों की बेहतरी हेतु प्रचार प्रसार करना
- प्रवासी राजस्थानियों के लिए वन-स्टॉप-शॉप की तरह कार्य करना जो राज्य में निवेश, व्यापार व परोपकारी कार्यों में योगदान देना चाहते हो
- प्रवासी राजस्थानियों को नवीनतम सरकारी पहलों, नीतियों, विकास आदि के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाना
- विभिन्न देशों और राज्यों में रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों की प्रोफाइल का डेटाबेस बनाना एवं प्रबंधित करना

योजना भवन, युधिष्ठिर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 ।
कॉल करें :- +91-141-2229111, 2229444, 2229091

राजस्थान फाउण्डेशन
Rajasthan Foundation

ई-मेल :- rajfound-rj@nic.in | वेबसाईट :- http://rf.rajasthan.gov.in/
RajasthanFoundationRF RajFound
rajfound_rj Rajasthan Foundation

अपनों से मदद

प्रवासियों ने दिया जीवनदान

कोरोना मरीजों के लिए पहुंचाई ऑक्सीजन

कोविड के संकटकाल में प्रवासी राजस्थानियों को माटी से जोड़ने में राजस्थान फाउण्डेशन ने सफलता हासिल की। राजस्थानी प्रवासी अपनी मातृभूमि के प्रति सच्ची निष्ठा और सेवा भाव से कठिन समय में अपने प्रदेशवासियों की मदद करने में लगे हुए हैं। प्रवासियों ने नकद और चिकित्सकीय उपकरणों सहित फाउण्डेशन को लगभग 32 करोड़ रुपए का सहयोग दिया। लिक्विड ऑक्सीजन, ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर्स एवं मेडिकल सामग्री पहुंचाकर मदद की।

1377 सहित अनेक मेडिकल उपकरण | **2** ऑक्सीजन टैंकर्स | **12500** क्यूबिक मीटर्स लिक्विड ऑक्सीजन | **10** ऑक्सीजन प्लांट

6000 सिंगल यूज वेंटीलेटर | **3000** मॉनीटर्स | **8** इमरजेंसी लंग्स वेंटिलेटर

दुबई, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, इजिप्ट, यूगांडा, ऑस्ट्रेलिया व पूरे विश्व के कोने-कोने में बसे राजस्थानी प्रवासी और अनेक संगठन बड़ी संख्या में अपने प्रदेश के साथ खड़े नजर आए हैं, यह हम प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात है। प्रदेश में 29 जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक 1377 ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर सहित अनेक मेडिकल उपकरण पहुंचाए गए। दुबई के प्रवासी राजस्थानी दिनेश कोठारी द्वारा 2 ऑक्सीजन टैंकर्स (लगभग 12,500 क्यूबिक मीटर्स लिक्विड ऑक्सीजन) पहुंचाई गई। साथ ही विभिन्न जिलों में लगभग 10 ऑक्सीजन प्लांट लगाने के लिए भी प्रवासियों ने कमिटमेंट किया है। इसके अलावा 6000 सिंगल यूज वेंटीलेटर, 3000 मॉनीटर्स, 8 इमरजेंसी लंग्स वेंटिलेटर, ब्लैक फंगस के इलाज के लिए दवाइयों की आपूर्ति का प्रस्ताव एवं अन्य मेडिकल उपकरण भी प्रवासियों के सहयोग से प्राप्त हुए हैं। राजस्थानी प्रवासियों द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से डोनेशन भी दिया जा रहा है। इस महामारी में दुबई के नन्दी मेहता ने जयपुरवासियों के लिए ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर भेजने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रवासियों के योगदान को सीधा गांवों तक पहुंचाया

सीएचसी मलारना, डूंगरा, सवाईमाधोपुर

राज्य सरकार की नीति के अनुरूप फाउण्डेशन ने कोविड के समय स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती के लिए राजस्थानियों द्वारा स्वैच्छिक योगदान को सीधे कुरियर सेवाओं द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक मेडिकल उपकरण पहुंचाए। प्रदेश के 29 जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक 1377 ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर सहित अनेक मेडिकल उपकरण पहुंचाए। इन दूर-दराज के कस्बों में समय पर मिलने वाली मदद से सरकारी अस्पताल प्रशासन को काफी मदद मिली है। भवानी मंडी, आबू रोड, गंगानगर सिटी, शिवगंज, सिरोही, जालोर, भीलवाड़ा में स्थित सीएचसी तक ऑक्सीजन पहुंचाई गई। **नवरत्न कोठारी ने कनाडा से तीन ऑक्सीजन प्लांट और इलेक्ट्रीक जरनेटर चूरू जिले के लिए दिए। 215 कॉन्सट्रेटर नाथद्वारा टेम्पल ट्रस्ट, दुबई की तरफ से दिए गए।**

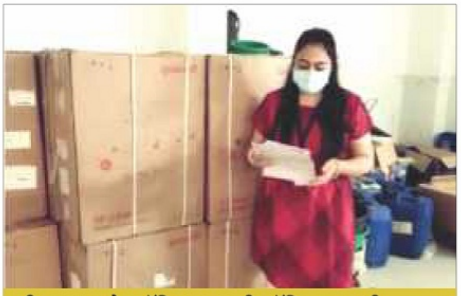
सीएमएचओ ऑफिस एमजी हॉस्पिटल, भीलवाड़ा

सीएमएचओ, झालावाड़

सीएचसी शिवगंज

सीसीसी मानसरोवर, आबू रोड

भीलवाड़ा

सीएचसी जालोर

राजस्थान फाउंडेशन और राजस्थान की मदद से हमें ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर्स प्राप्त हुए हैं। मैं धीरज जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने अपने प्रथम पद स्थापन को प्राथमिकता दी।

डॉ. एम.एम. जांगिड़
ओआईसी, सीएचसी भीनमाल

मैं प्रवासी राजस्थानियों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने 18 कॉन्सट्रेटर इस आदिवासी क्षेत्र में दिए, ये यहां के मरीजों के लिए बहुत अच्छा काम करेंगे।

एस. पी. शर्मा
मुख्य चिकित्सा अधिकारी, राज्य अस्पताल, भीलवाड़ा

दुबई से लिक्विड ऑक्सीजन पहुंचाकर की मदद

दिनेश कोठारी, दुबई
दुबई में शिक्षण स्कूल व अग्रणी व्यवसायी, यूएई

इस महामारी में अपनों की मदद करने का मौका मिला है।

श्री वैभव गहलोत
अध्यक्ष, राजस्थान क्रिकेट संघ

आज की मुश्किल घड़ी में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा किये जा रहे योगदान का बड़ा महत्व है और इनको इस योगदान के लिए प्रदेश सदा याद रखेगा।

दुबई के प्रवासी राजस्थानी श्री दिनेश कोठारी ने दुबई से 20-20 मैट्रिक टन के 2 लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंकर निःशुल्क भिजवाए, जिनमें से जोधपुर पहुंचे एक टैंकर को श्री कोठारी की इच्छानुसार एम्स और एमजीएच में खाली करवाया गया।

विधायक मनीषा पंवार, मेयर (उ) कुंती परिहार और अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने रवाना किया।

शहर विधायक मनीषा पंवार, जेडीए के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी, महापौर उत्तर कुन्ती परिहार, कांग्रेस शहर के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सईद अंसारी, कांग्रेस नेता प्रोफेसर अयूब खान ने दुबई से जोधपुर आए टैंकर को रिसीव किया। वहीं वर्चुअल रूप से कार्यक्रम में जुड़े राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत। जिला कलेक्टर इंद्रजीत सिंह ने भी संकट की घड़ी में प्रशासन का सहयोग करने के लिए सभी प्रवासियों का आभार जताया। इस अवसर पर डीआईसी जीएम एसके पालीवाल, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त बजरंग सिंह, कार्यालय अधीक्षक सलाम अता उल्ला खान भी मौजूद थे।

सऊदी से 200 ऑक्सीजन सिलेंडर्स से दिया जीवनदान

केसर कोठारी सऊदी से 200 ऑक्सीजन सिलेंडस और रेगुलेटर्स की व्यवस्था करने में कामयाब रहे। जहाज तारकश 3 जून को दमाम से रवाना हुआ और एयर कार्गो की तुलना में तेजी से खेप पहुंचाने में कामयाब रहा।

आरबीपीजी के संयोजक केसर कोठारी ने भारतीय नौसेना, भारतीय दूतावास के अलावा जीआर मेहता, गुल वासवानी, अशोक ओधरानी, राधेश्याम, आलोक भार्गव और एलफिट अरबिया को उनके उदार योगदान के लिए धन्यवाद दिया और साथ ही भारतीय नौसेना को सैल्यूट करते हुए कहा कि बिना नौसेना के यह कार्य संभव नहीं हो पाता। इसके साथ ही राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव सहित दुनिया भर के राजस्थानी प्रवासियों ने उनके इस योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया है।

केसर कोठारी
Founder, Chairman of Rajasthan Business & professional Group

Its matter of immense joy and satisfaction to inform that the said relief supply has reached to its destination - Rajasthan Govt,Jaipur in record time of 11 days and now being distributed by Govt authorities in remote location govt clinics and hospitals in the state of Rajasthan.

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

#राजस्थान_सतर्क_है

राज्य सरकार द्वारा
कोरोना महामारी से पीड़ित परिवारों को
2000 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता

विधवा महिलाओं के लिए

कोविड-19 से पति की मृत्यु होने से विधवा हुई महिलाओं को इस प्रकार आर्थिक सहायता दी जाएगी —

- **1 लाख रुपये** एकमुश्त राशि
- **1,500 रुपये प्रति माह** विधवा पेंशन
- विधवा महिलाओं के बच्चों को **1,000 रुपये प्रति बच्चा, प्रति माह** और विद्यालय की पोशाक व पाठ्य पुस्तकों के लिए सालाना 2,000 रुपये

अनाथ बच्चों के लिए

कोरोना महामारी से माता-पिता दोनों की या एकल जीवित की मृत्यु होने के कारण अनाथ हुए बच्चों को **'मुख्यमंत्री कोरोना बाल कल्याण योजना'** में केन्द्र सरकार की योजना के अलावा लाभ —

- अनाथ बालक/बालिका को तत्काल **1 लाख रुपये**
- 18 वर्ष की आयु तक **प्रति माह 2,500 रुपये**
- 18 वर्ष पूरे होने पर **5 लाख रुपये**
- 12वीं तक आवासीय विद्यालय या छात्रावास से निःशुल्क शिक्षा
- कॉलेज छात्राओं को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता के छात्रावासों में प्राथमिकता से प्रवेश
- कॉलेज छात्रों को आवासीय सुविधाओं के लिए 'अम्बेडकर डी.बी.टी. वाउचर योजना' का लाभ
- युवाओं को मुख्यमंत्री युवा संबल योजना में प्राथमिकता से बेरोज़गारी भत्ता

इनके लिए किसी आवेदन की आवश्यकता नहीं है

कोरोना काल में राज्य सरकार द्वारा ज़रूरतमंदों को दी गई अन्य सहायता...

33 लाख से ज़्यादा
ज़रूरतमंद परिवारों को पांच किश्तों में कुल रु. 5,500 की सहायता राशि सीधा बैंक खातों में

खाद्य सुरक्षा के लाभार्थियों को निःशुल्क गेहूं वितरण, राज्य सरकार द्वारा लगभग
325 करोड़ रुपये
का अतिरिक्त भार वहन

खाद्य सुरक्षा योजना से बाहर विशेष श्रेणी के लगभग
67 लाख लोगों को
निःशुल्क गेहूं व चना वितरण

शताब्दी के सबसे कठिन समय में राज्य सरकार आपके साथ खड़ी है

आइये मिलकर कोरोना को हराएं, इसे फिर लौट कर न आने दें >

- घर से बाहर हमेशा मास्क पहनें
- औरों से 2 गज की दूरी रखें
- साबुन से हाथ धोते रहें या सैनेटाइज़ करें

कोरोना या सरकारी सेवाओं से जुड़ी किसी समस्या के लिए **181** पर फ़ोन करें

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

अपनों की मदद

कोविड काल में प्रवासी राजस्थानियों के लिए

मददगार बना राजस्थान फाउंडेशन

कोरोना वैश्विक महामारी से निपटने के लिए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के निर्देशानुसार राजस्थान सरकार अपने हर नागरिक के जान-माल की हिफाजत के लिए वचनबद्ध है, चाहे वे देश में हो या विदेश के किसी भी कोने या दोहा, कतर, कुवैत, रूस, यूक्रेन में हो।

राज्य सरकार ने कोरोना महामारी की वजह से फंसे हुए प्रवासियों को सुरक्षित रखने और उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए पूरी तत्परता से काम किया। कोरोना वायरस की आपदा के बीच राजस्थान फाउंडेशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविड के संकटकाल में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के विजन के अनुरूप प्रवासी राजस्थानियों को माटी से जोड़ने में राजस्थान फाउण्डेशन ने सफलता हासिल की।

दूसरी लहर में मदद पहुंचाई

राजस्थान फाउंडेशन ने देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों और उनके परिवारों को अपने हेल्पलाइन, ई-मेल और ट्विटर के माध्यम से महामारी के इस कठिन समय में सहयोग और मदद सुनिश्चित की है।

प्रवासी राजस्थानियों के सहयोग को सतत् बनाया

दूसरी लहर में कई देशों में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों और संगठनों ने मदद के हाथ बढ़ाए। इसके तहत ऑक्सीजन टैंकर, वेंटीलेटर, दवा सहित अन्य उपकरणों की मदद लगातार मिल रही है। आर्थिक सहायता भी प्रवासी राजस्थानी पहुंचा रहे हैं। यह कार्य राजस्थान फाउंडेशन के मंच के माध्यम से संभव हो पाए हैं। प्रवासी राजस्थानियों के सहयोग को सतत् बनाने के लिए राजस्थान फाउंडेशन ने जी जान से प्रयास किए है।

टेलीमेडिसिन सुविधा शुरू की

प्रवासी राजस्थानी चिकित्सकों के संगठन डोरी के सहयोग से फाउण्डेशन ने टेलीमेडिसिन सुविधा शुरू की, जिससे अमरीका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात व सिंगापुर में बैठे चिकित्सक प्रदेश की गांव-ढाणी तक चिकित्सा मुहैया करा रहे हैं। कोरोना के दौर में फाउंडेशन के प्रयासों को सराहा गया।

श्री श्रीवास्तव सभी नॉन-रेसिडेंट राजस्थानियों (एनआरआर) को एक साथ लेकर आए हैं और कठिन परिस्थितियों में कई लोगों की मदद की है।

यूएसए से डॉ. जयवीर राठौड़

श्री श्रीवास्तव हर तरह की मदद करने के लिए अपनी पूरी क्षमता से प्रयास कर रहे हैं। एनआरआर समुदाय उन्हें कोऑर्डिनेटर के रूप में पाकर भाग्यशाली हैं।

जर्मनी के शिव नियति

Because of yours aggressive action on the request for the dire need of Ventilator for my sister-in-law in Kota, it got arranged on time.

शलज, अमेरिका

धीरज श्रीवास्तव वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा सम्मानित

कोविड में किए गए कार्यों के लिए दिया सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट सम्मान-पत्र।

राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट खिताब से सम्मानित किया। उन्हें यह सर्टिफिकेट कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षा को बढ़ावा देने और समाज की सेवा करने के लिए दिया गया। वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्दिष्ट कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए उनके द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास और समाज की भलाई के लिए कार्य करने के उनके संकल्प को भी प्रमाणित करता है। राजस्थान फाउंडेशन देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों और उनके परिवारों को अपने हेल्पलाइन, ई-मेल और ट्विटर के माध्यम से महामारी के इस कठिन समय में सहयोग और मदद सुनिश्चित कर रहा है।

14 लाख से अधिक फंसे हुए राजस्थानियों की हुई सकुशल वापसी

पिछले पूरे साल राजस्थान फाउंडेशन ने समय समय-पर अपनी सेवाएं प्रदान की। प्रवासी श्रमिकों को वापस अपने गृह राज्य लाने में सफल हुई। महामारी के शुरुआती दौर से फाउंडेशन की टीम सक्रिय बनी रही। 14 लाख से अधिक फंसे हुए राजस्थानियों को उनके राज्य में वापस लाया गया।

राजस्थान फाउंडेशन ने विभिन्न राज्यों में फंसे प्रवासी राजस्थानियों, मजदूरी के लिए गए राजस्थानी श्रमिकों एवं विदेशों मे फंसे अपने विद्यार्थियों को वापस लाने के लिए कॉल सेंटर स्थापित कर रजिस्ट्रेशन कार्य शुरू किया था। 14 लाख से अधिक फंसे हुए राजस्थानियों को अपने राज्य में वापस लाया गया। हैदराबाद, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, बंगाल, पंजाब आदि राज्यों में फंसे प्रवासी राजस्थानियों को स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद कर पीड़ितों के लिए भोजन और वाहन जैसी जरूरी मदद भी पहुंचाई गई।

कोविड के पिछले दौर में निभाई बड़ी भूमिका

जनसहयोग हेतु राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा कोविड-19 राहत कोष में इच्छानुसार आर्थिक सहायता देने संबंधी अपील का प्रवासियों तक सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। फाउण्डेशन के स्थानीय चैप्टर के सदस्यों एवं प्रवासी राजस्थानियों द्वारा उन्हें भोजन एवं दैनिक जरूरत का सामान उपलब्ध करवाया गया । इसके अलावा धीरज श्रीवास्तव द्वारा कजाकिस्तान, जॉर्जिया और मॉरीशस आदि देशों मे फंसे विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हे भारतीय राजदूतों से बात कर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई।

कैंसर पीड़िता के लिए वाहन और भोजन की व्यवस्था करवाई

कोविड काल में पुष्कर में रहने वाली कैंसर पीड़िता को जब दिल्ली के एम्स हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर सड़क पर छोड़ दिया। इसकी सूचना मिलने पर राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने तुरंत पीड़ित परिवार को संभाला और वाहन की व्यवस्था कर परिवार को पुष्कर सकुशल भेजा।

मलेशिया में प्रवासी मजदूर को मिली मदद

मुकेश भागाराम जो कि राजस्थान से हैं, वो कुआलालमपुर में काम करते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे और एक मलेशियाई अस्पताल में भर्ती थे। अस्पताल में होने वाले खर्च को राजस्थान फाउंडेशन ने सीएम राहत कोष से दो लाख रूपए भिजवाकर मदद की।

प्रवासी राजस्थानियों की सकुशल स्वदेश वापसी के लिए किए प्रयास

एयर एम्बुलेंस द्वारा पीड़ित छात्रा को स्वदेश लाने में सहयोग

अमेया विक्रम भारद्वाज जो कि मनीला, फिलिपींस के प्रथम वर्ष की मेडिकल छात्रा है, बीमार थी और 5 मई, 2020 से ही आईसीयू में भर्ती थीं। राजस्थान फाउंडेशन ने उसे एयर एम्बुलेंस द्वारा स्वदेश लाने में पूरी मदद की।

सड़क पर रहने को मजबूर हुआ परिवार तो राजस्थान आगे आया

प्रभु बागड़िया अपने परिवार के 20 अन्य सदस्यों, जिसमें 5 वर्ष से भी कम आयु के बच्चे भी थे, दिल्ली में फंसे हुए थे। राजस्थान फाउंडेशन ने उनके लिए भोजन की व्यवस्था की और उन्हें 22 मई को बसों के माध्यम से अपने-अपने गंतव्य स्थल पर भेजा।

मदद मिलने पर जताया आभार

84 वर्षीय सुंदरलाल
सिरोही निवासी

मैं धीरज श्रीवास्तव और राजस्थान फाउंडेशन की टीम को आशीर्वाद देता हूं कि उन्होंने मुझे सकुशल उदयपुर पहुंचाया।

हुलासमल जांगिड
जिला बीकानेर, राजस्थान निवासी

सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने हमें गुवाहाटी से अपने घर सुरक्षित पहुंचाया।

पारुल गर्ग

मैं धीरज श्रीवास्तव जी को धन्यवाद देती हूं जिन्होंने हमारी सारी बात समझी 24 घंटे हमारे साथ रहे, जनता के सेवक बहुत मेहनत कर रहे हैं। हमें बस उनका साथ देना है। लेट्स ट्रस्ट देम एंड फाइट दिस टूगेदर।

अपनों से मुलाकातें

राजस्थान फाउंडेशन ने देशभर में दौरे कर प्रवासियों को किया एकजुट

प्रवासियों से रामा-श्यामा

राजस्थान फाउंडेशन लगातार प्रवासियों तक पहुंच बनाने का प्रयास कर रही है, चाहे वे भारत में बसते हों या विदेश में। अलग-अलग शहरों में जाकर प्रवासियों से मिलकर नए चैप्टर खोलने की प्रक्रिया जारी रहती है। देश के अन्य राज्यों और विदेशों में रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों को फाउंडेशन के माध्यम से एकजुट कर उनका सहयोग करने सहित राजस्थान के विकास में उन्हें भागीदार बनाया जाए यही फाउंडेशन का उद्देश्य है।

तिरुवंतपुरम, केरल दौरा

"राजस्थान में तेल, गैस के अतिरिक्त पोटाश और सिल्वर जैसे खनिजों के बड़े भण्डार मिलने से हिन्दी सिनेमा के लोकप्रिय गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती...' की कल्पना साकार हुई है।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

केरल के तिरुवनंतपुरम में राजस्थान फाउंडेशन और राजस्थान संघ, तिरुवनंतपुरम द्वारा आयोजित प्रवासी राजस्थानियों के साथ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद कर राजस्थान में कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रवासी देश और दुनिया में जहां-जहां भी हैं, हम वहां जाएंगे और उनके साथ संवाद स्थापित करेंगे। कोविड-19 महामारी के दौर में दूसरी जगहों पर बसे जिन लोगों को तकलीफें हुई हैं और आने वाले वक्त में उन्हें राजस्थान आने पर क्या-क्या सुविधाएं दी जा सकती हैं, इसका पूरा ध्यान राजस्थान फाउंडेशन के द्वारा रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर फाउण्डेशन के चैप्टर नहीं हैं, वहां नए चैप्टर खोलकर गतिविधियां शुरू की जाएंगी। साथ ही जहां पहले से फाउण्डेशन की मौजूदगी है, वहां इसकी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रवासी राजस्थानियों को अपने गृह प्रदेश में आकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें पूरी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी।

Rajasthan Foundation,Chapters

In India

- Coimbatore
- Chennai
- Kolkata
- Ahmedabad
- Surat
- Mumbai
- Bengluru
- Hyderabad
- Indore

Overseas

- New York (USA)
- London (UK)
- Kathmandu (Nepal)

कार्यक्रम में कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री गहलोत की दूरदर्शी सोच से ही यह मुमकिन हो पाया है कि हम दुनिया के कोने-कोने में बैठे राजस्थानी प्रवासियों को एक साथ जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। केरल समारोह में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी और गणमान्यजन उपस्थित थे।

भुवनेश्वर दौरा

राजस्थान सरकार अप्रवासी एवं उनके परिवार को जोड़ने की कड़ी में काम कर रही है। सन् 2000 में राजस्थान देश का पहला राज्य बना जिसने विभिन्न प्रदेश व देश में रहने वाले अपने लोगों के बारे में चिंतन किया। 2001 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राजस्थान फाउंडेशन का गठन किया गया।

धीरज श्रीवास्तव

राजस्थानी आज पूरी धरती पर रोल मॉडल हैं। हमें अपने गांव जरूर जाना चाहिए और वहां पर कुछ न कुछ सेवा कार्य जरूर करना चाहिए।

संजय लाठ, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर में राजस्थान से आकर भुवनेश्वर में रहने वाले राजस्थानियों से सीधे संपर्क किया और उनके विचारों को सुना। कार्यक्रम में भुवनेश्वर मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष संजय लाठ एवं तेरापंथ समाज के मंत्री बच्छराज बेताला प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

भुवनेश्वर में प्रवासियों से मिले कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव

पुरी दौरा

माननीय मुख्यमंत्री ने राजस्थान फाउंडेशन का गठन जिस सोच और सपने से किया था, वह यही था कि राजस्थान का हर प्रवासी अपनी मिट्टी से, अपने गांव से, अपने शहर से और अपनी संस्कृति से जुड़ा रहे।

धीरज श्रीवास्तव

केवल मारवाड़ी नाम रखने से मारवाड़ी नहीं बल्कि अपनी मातृभाषा को मारवाड़ी (राजस्थानी) बोल कर ही आपकी पहचान आने वाली पीढ़ी तक कायम रहेगी।

के.सी. मालू

पुरी में आयोजित मारवाड़ी युवा मंच के वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करने के साथ मायुम के द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आगे चल कर जो भी समाजसेवा वाले कार्य करेंगे उसमें राजस्थान फाउंडेशन पूरी तरह से सहायता करने को प्रतिबद्ध है।

पुरी में प्रवासियों को संबोधित करते कमिश्नर

गुवाहाटी दौरा

मैं चाहता हूं कि हर दो से तीन वर्ष में ऐसा आयोजन हो जिसमें सभी राजस्थानी प्रवासी एक मंच पर आएं और सरकार के साथ मिलकर प्रदेश की विकास गाथा की नई इबारत लिखें।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

जब लोग कोरोना काल में घर में थे तो मारवाड़ी युवा मंच के लोग सेवा कार्यों में लगे हुए थे। राजस्थान फांउडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में राजस्थानियों को मारवाड़ी युवा मंच से जरूरतमंदों को काफी मदद मिली।

अमित अग्रवाल
अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष

राजस्थान फाउंडेशन ने गुवाहाटी में मारवाड़ी युवा मंच के 15वें राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लिया। वहां पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान से इतनी दूर असम में रहते हुए भी यहां के प्रवासी राजस्थानी अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी का भव्य अभिनन्दन हुआ।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का प्रवासियों ने किया अभिनन्दन

सूरत, अहमदाबाद दौरा

राजस्थान प्रवासियों की आवाज एक सुर में सब तक पहुंचने के लिए एक छत होना बहुत जरूरी है।

संजय सरावगी, कपड़ा उद्यमी

देश के विभिन्न प्रदेशों में बसे प्रवासी राजस्थानियों के बीच पहुंचने का राजस्थान सरकार का यह सीधा प्रयास है। इस प्रयास से देश के विभिन्न प्रदेशों में बसे प्रवासी राजस्थानियों को सीधे तौर पर जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

धीरज श्रीवास्तव

राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त ने दिसम्बर 2019 में सूरत और अहमदाबाद का भी दौरा किया। वहां सूरत चैप्टर की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों से बातचीत की। अग्रवाल सभा भवन बैठक में श्री सुभाष पटोदिया, श्री भूधिया, श्री संजय सरावगी आदि सहित प्रख्यात एनआरआर ने भाग लिया।

सूरत में प्रवासियों से मिले

मुंबई, पुणे दौरा

राजस्थान से निकले प्रवासी एक ही पेड़ के पत्ते हैं। पत्ते जिस तरह से दूसरों के लिए जीते हैं, वैसे ही राजस्थानी लोग जहां भी गए, वहीं के हो गए। आप बाहर के राज्यों में विकास के जनक बनें। यही गुण भावी पीढ़ी में मजबूत होगा तो वे कर्म और जन्मभूमि के प्रति संवेदनशील बनेंगे।

गुलाब कोठारी, राजस्थान पत्रिका

राजस्थान के उद्यमियों ने देश के हर क्षेत्र में नाम कमाया है। आजादी से लेकर अब तक बांगड़, बिरला, गोयनका, मित्तल, अग्रवाल, सिंघानिया, बजाज सहित कई घरानों ने भारत की आर्थिक उन्नति में अहम योगदान दिया है।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

मुम्बई में आयोजित प्रवासी जयपुर संघ के 14वें वार्षिकोत्सव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिरकत की। धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि श्री गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान आज सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पुणे में श्रीवास्तव ने राजस्थानी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

पुणे में प्रवासी राजस्थानियों से बातचीत करते आयुक्त धीरज श्रीवास्तव

कोलकाता दौरा

राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सभी मारवाड़ी समुदाय एवं उद्योगपति, राजस्थान में उद्योग स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

सीताराम शर्मा
अध्यक्ष, भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स

राजस्थान में पर्यटन, सौर ऊर्जा, कृषि, शिक्षा तथा हॉर्टिकल्चर आदि क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं तथा प्रवासी मारवाड़ियों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

धीरज श्रीवास्तव

राजस्थान फाउंडेशन ने कोलकाता के भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम में भाग लिया। साथ ही मारवाड़ी सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित मरुधर मेला कार्यक्रम में भी शामिल हुए। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल नरेडी उपस्थित थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अलका बांगड़, रवि पोद्दार, सुबीर पोद्दार मौजूद रहे।

कोलकाता में प्रवासियों के साथ आयुक्त धीरत श्रीवास्तव

अपनी मातृभूमि

केवल पर्यटन, निवेश, सहयोग या दान के लिए नहीं बल्कि प्रवासियों को भावनात्मक रूप से अपनी मातृभूमि से जोड़े रखने का प्रयास करता है राजस्थान फांउडेशन

आपरौ राजस्थान आपनै न्यूतै

आपको आपकी मातृभूमि राजस्थान आमंत्रित करती है विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर आपके अपने प्रदेश से जुड़े रहने के लिए। यहां अब केवल रेत का समुद्र नहीं तरक्की के नए सरोवर हैं। यहां का जहाज ऊंट ही नहीं अब सरपट दौड़ती मेट्रो भी है। अब यहां किले, महल, हवेलियां ही नहीं हर बड़े ग्रुप के लक्जरी होटल्स भी पहचान बन गए हैं। अब राजसी ठाठबाट से शादियों के लिए देश-विदेश के लोग आपके अपने राजस्थान में आते हैं। इलाज के लिए विदेश जाने की भी जरूरत नहीं होती, सभी अत्याधुनिक सुविधाओं वाले बड़े-बड़े अस्पताल भी यहां उपलब्ध हैं। यहां बिजली की अब कोई कमी नहीं, सौलर और पवन ऊर्जा का मुख्य केन्द्र बन गया है आपका राजस्थान। पर्यटन के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र में भी निवेश को आकर्षित कर रहा है हमारा राजस्थान। सपेरों का देश अब रिफाइनरी के साथ विकसित प्रदेश के रूप में जाना-पहचाना जा रहा है। हम इसके सजीव अनुभव के लिए आपको न्यौता देते हैं।

शाही शादियों का वेडिंग हब

राजस्थान अपनी जीवंत परंपराओं और शाही विरासत के साथ अब वेडिंग हब के रूप में उभर रहा है। यहां के राजसी किले और महल, हेरिटेज होटल शाही शादियों के लिए आयोजकों को परफेक्ट स्थल नजर आते हैं। यहां भव्य जुलूस, लोक नर्तक, पगड़ीधारी पुरुष, हाथी-घोड़े और ऊंट आदि एक शाही शादी की पहचान कराते हैं। इन शादियों के लिए लोकप्रिय शहरों में जयपुर, जोधपुर और उदयपुर प्रमुख है।

विषमताओं के बावजूद आकर्षित किया औद्योगिक निवेश

भौगोलिक विषमताओं के बावजूद राजस्थान औद्योगिक निवेश के लिहाज से भारत का पसंदीदा डेस्टिनेशन बन रहा है। इसकी वजह प्रदेश सरकार की नीतिगत पहल, शांत औद्योगिक वातावरण, उपलब्ध औद्योगिक भूखंड है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार के गठन के साथ ही रोजगार उपलब्धता और नए निवेश के लिहाज से उद्योग सेक्टर को प्राथमिकता प्रदान की। इसमें बड़ा कदम नई नीतियों को लाना रहा। एक साथ औद्योगिक विकास नीति 2019, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2019, मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना 2019 , सौर ऊर्जा नीति 2019 और पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा नीति 2019 जारी कर निवेशकों के लिए इस मरुधरा के दरवाजे खोल दिए। इसके परिणाम भी बेहतर आए हैं। वहीं एमएसएमई को लेकर बनाई गई नीतियों ने भी प्रदेश के औद्योगिक वातावरण को संवारने का कार्य किया है।

नई पर्यटन नीति से एडवेंचर, नाइट, वीकेंड, ईको, धार्मिक और ग्रामीण पर्यटन का केन्द्र बनेगा राजस्थान

पहली बार सरकार लाई 'राजस्थान कॉलिंग' योजना, प्रवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ने की पहल

राजस्थान पर्यटन की दृष्टि से बेमिसाल है। यहां सोने सा चमकता रेगिस्तान, झीलें, हरी भरी अरावली पहाड़ियां, टाइगर रिजर्व प्रसिद्ध है। इसके अलावा यहां के किले, महल, हवेलियां अपने राजसी वैभव के प्रतीक हैं। यही कारण है कि भारत आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान जरूर आता है।

प्रदेश में करीब 20 साल बाद आई नई पर्यटन नीति-2020 में एडवेंचर टूरिज्म, मेडी टूरिज्म, नाइट टूरिज्म, वीकेंड टूरिज्म, धार्मिक पर्यटन व इको टूरिज्म के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने पर फोकस किया गया है।

सरकार एक नई पहल करते हुए प्रवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए 'राजस्थान कॉलिंग' योजना की पहल कर रही है। देश-विदेश के प्रवासियों को राजस्थान से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही एनआरआर को प्रोत्साहित करने के लिए यात्रा पैकेज भी विकसित किए

जाएंगे। पर्यटन क्षमता के साथ भौतिक संपत्ति वाले एनआरआर को पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसी संपत्ति खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिसके लिए पर्यटन विभाग एक योजना तैयार करेगा।

इससे प्रदेश में पर्यटन को गति मिलेगी। साथ ही कोविड-19 के कारण संकट का सामना कर रहे पर्यटन क्षेत्र को पुनः पटरी पर लाने

में भी मदद मिलेगी।

नई नीति में ट्रैकिंग, बर्ड वाचिंग, हाइकिंग, बोटिंग ओवर नाइट कैंपिंग, सफारी, साइकिलिंग समेत पर्यावरण एवं ईकॉलॉजी कंजरवेशन समेत सभी प्रकार की गतिविधियों को शामिल किया गया है। हाड़ौती अंचल में रीवर एडवेंचर, बोटिंग,

टाइगर रिजर्व, ओवर नाइट कैंपिंग, खास आकर्षण होंगे। वहीं रेगिस्तानी जिलों में डेजर्ट ईको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। राजस्थान की पॉलिसी में नेशनल और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड शामिल होंगे। प्रदेश के शहरों में जयपुर की झालाना की तर्ज पर पैंथर सफारी विकसित होंगी।

चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में बनाई अपनी अलग पहचान

राजस्थान ने चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में भी अपनी पहचान बनाई है। जयपुर के अस्पताल कई बहु-विशिष्ट श्रृंखलाओं के केंद्र हैं, जैसे कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, डेंटल, ऑर्गन ट्रांसप्लांट और कॉस्मेटोलॉजी। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, संतोकबा दुर्लभजी, बॉम्बे अस्पताल जैसे प्रसिद्ध अस्पतालों के अलावा फोर्टिस हेल्थकेयर, अपोलो और मणिपाल जैसी नई श्रृंखलाएं भी यहां हैं। राजस्थान आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा का भी एक केंद्र है। राज्य में आयुष क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा बुनियादी ढांचा है।

हम राजस्थानी

प्रदेशवासियों से मुखातिब हुए प्रवासी राजस्थानी, अपने अनुभवों को बांटा

राजस्थान फाउंडेशन और सिम्पली जयपुर की संयुक्त प्रस्तुति है 'हम राजस्थानी' जो कि राजस्थान की धरती के सपूतों पर ऑनलाइन कार्यक्रम की एक सीरीज है, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजस्थानी शख्सियतें इसके माध्यम से रूबरू हो अपनी बात रखते हैं।

पद्मश्री ऊषा चौमार
सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन

मैला ढोने जैसी कुप्रथा को छोड़कर आज हम लघु उद्योगों से जुड़े हैं, मेरी जैसी कई महिलाओं का जीवन बदला है। आज हम अलवर ही नहीं पूरे प्रदेश और देश में सम्मान की जिंदगी जी रहे हैं।

डॉ. राजकुमार गर्ग
सीनियर कॉस्मेटिक एंड प्लास्टिक सर्जन, बेहरीन

मुझे राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से मौका मिला तो प्रदेश की सेवा से पीछे नहीं हटूंगा। किसी भी प्रकार की चिकित्सा सेवा के लिए मैं हर समय उपलब्ध रहूंगा।

डॉ. दिशा गुप्ता
डेंटिस्ट, दुबई

मेरे पिता मेरे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, उन्हीं से अपनी माटी से जुड़ने की प्रेरणा मिली। राजस्थान फाउंडेशन के मंच ने यह मौका दिया, जिसके लिए में राजस्थान सरकार और फाउंडेशन को धन्यवाद देती हूं।

डॉ. कुसुम नाथावत
यूके

डोरी विश्वविख्यात और अनुभवी प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर्स का बड़ा मंच है। हम प्रदेश के लिए काफी कुछ कर सकते हैं, अपने अनुभव से प्रदेश के दूरदराज के गांवों की चिकित्सा ढांचे को सुधारने में मदद कर सकते हैं।

अनूप सोनी
एक्टर, मुम्बई

राजस्थान में शूटिंग करने के लिए लोकेशन चुनने की कोई जरूरत नहीं होती, जहां देखो वहीं खूबसूरत नजारे हैं, यही बात फिल्म मेकर्स को काफी पसंद है। राजस्थान में फिल्मों से जुड़े किसी भी प्रकार के काम आना मेरा सौभाग्य होगा।

डॉ. दीपा खंडेलवाल
दुबई, यूएई

राजस्थान फाउंडेशन का 'डोरी' प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर्स को एक मंच पर लाया है, ऐसे में यह मंच प्रदेश से जुड़े हितों में बड़ी भूमिका निभा सकता है। मुझे इस मंच से प्रदेशवासियों की सेवा करने का मौका मिला तो यह मेरे लिए गौरवपूर्ण।

'हम राजस्थानी' कार्यक्रम का उद्देश्य देश-विदेश में बसे ऐसे राजस्थानी सपूतों से परिचय कराना है, जिन्होंने अपनी बुद्धि, कौशल और मेहनत से सफलता के नए आयामों को स्थापित किया है। इनसे युवा पीढी प्रेरणा एवं प्रोत्साहन प्राप्त करेगी। इसमें प्रतिष्ठित व सफल राजस्थानियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से रूबरू करवाया जाएगा।

धीरज श्रीवास्तव, कमिश्नर

आलोक राज
मेजर जनरल

आई जॉइन्ड आईएनए, आई एम प्राउड ऑफ दिस। अगर दुबारा मुझे मौका मिले तब भी मैं यही सोचूंगा की मुझे राजस्थान से खुद को हमेशा जोड़े रखना है, यहीं वापस बनना है।

डॉ. विश्वास मेहता
चीफ सेक्रेटरी, केरल

मेरी सफलता में मेरे माता पिता और राजस्थान की संस्कृति का बहुत बड़ा योगदान है। अन्य प्रदेश में प्रशासनिक सेवा में रहते हुए भी मातृभूमि से जुड़ा हुआ हूं, यही हमारी विरासत का परिचायक है।

मोतीलाल ओसवाल
एमओएफएसएल, अध्यक्ष और एमडी

मारवाड़ी भाषा हमें अपनों से जोड़े रखती है, इसमें एक अपनापन झलकता है। हम ऊंचाई पर पहुंचकर भी अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं, यह हमारी महान संस्कृति के कारण ही संभव हो सका है।

अपनी संस्कृति

प्रवासियों के साथ मनाए त्यौहार

त्यौहार राजस्थानी संस्कृति की समृद्धि को सुशोभित करते हैं, यहाँ एक कहावत प्रसिद्ध हैं- सात वार नौ त्यौहार। राजस्थान फाउंडेशन ने कोविड के समय त्यौहार मनाने के इस जज्बे को जिंदा रखा और पूरे साल तीज त्यौहार ऑनलाइन माध्यम से देश-विदेश में बसे प्रवासियों के साथ धूमधाम से मनाये। ये तीज-त्यौहार, परम्पराएं राजस्थानी संस्कृति की समृद्धि को सुशोभित करती हैं।

> संस्कृति व परम्पराओं को सहेजने में तीज-त्यौहारों की महत्वपूर्ण भूमिका।
>
> **धीरज श्रीवास्तव,** कमिश्नर

दुनिया भर के प्रवासियों ने एक साथ दीप जलाए

राजस्थान फाउंडेशन की पहल पर नई दिल्ली के बीकानेर हाउस स्थित चांदनी बाग परिसर में ग्लोबल प्रवासी दीपोत्सव कार्यक्रम का वर्चुअल आयोजन किया गया। इस मौके पर रंगारंग राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया। इस सांस्कृतिक संध्या और ग्लोबल दीपोत्सव कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जूम ऑनलाइन और यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर किया गया। जहां दुनिया भर के प्रवासी राजस्थानियों ने एक साथ

दीपोत्सव पर मुख्यमंत्री ने प्रवासियों को दिया संदेश

ग्लोबल दीपोत्सव की शुभकामनाएं। इस तरह के कार्यक्रमों से प्रवासी राजस्थानियों की भावी पीढ़ियों को राजस्थान की अपनी मिट्टी से पुनः जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

दीप जलाकर राजस्थान की धरती के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव का परिचय दिया। ग्लोबल दीपोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के प्रवासी राजस्थानियों के नाम संदेश से हुई। गहलोत ने अपने संदेश में दुनिया भर के प्रवासी राजस्थानियों को ग्लोबल दीपोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि राजस्थान सरकार द्वारा जनहित में चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों में प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग भरपूर मिलता रहेगा। राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर श्री धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि ग्लोबल प्रवासी दीपोत्सव जैसे कार्यक्रम दुनिया भर में बसे प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने तथा सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाने की दिशा में सार्थक कदम है।

गुलाबो सपेरा ग्रुप ने प्रस्तुत किया मनमोहक कालबेलिया नृत्य

राजस्थान की मशहूर नृत्यांगना पद्मश्री गुलाबो सपेरा और उनकी टीम द्वारा कालबेलिया नृत्य तथा राजस्थान के मशहूर घूमर नृत्य का मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसके साक्षी देश-दुनिया में बसे प्रवासी राजस्थानी बने। कार्यक्रम में कठपुतली नृत्य के माध्यम से कोरोना महामारी से लड़ने का संदेश भी दिया गया।

संक्रांत पर पतंग उड़ाते कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव

चिरमी नृत्य संक्रांत पर

ऑनलाइन संक्रांत में रंगारंग हुई प्रस्तुतियां

नई दिल्ली के बीकानेर हाउस स्थित चांदनी बाग में राजस्थान फाउंडेशन और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्लोबल प्रवासी मकर संक्रांति उत्सव 2021 मनाया गया। इस अवसर पर पेरिस से प्रवासी राजस्थानी रहीस भारती के धौद बैंड द्वारा राजस्थान की मिट्टी की खुशबू से सराबोर 'बेगा घरा आयो बालम, सावन आयो रे, पतंग उड़ा रे छोरा पतंग उड़ा, और सोना रा बटन' जैसे मंत्रमुग्ध कर देने वाले राजस्थानी गीतों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में राजस्थानी फोक म्यूजिक के बादशाह भुंगर खान एवं ग्रुप ने परंपरागत राजस्थानी फोक और सूफी गानों से समां बांध दिया।

संक्रांत के अवसर पर रहीस भारती, धौद ग्रुप, पेरिस से ऑनलाइन जुड़े और राजस्थानी लोक गीत सुनाए।

तीज उत्सव में ऑनलाइन संगीत प्रस्तुति से बंधा समां

प्रवासी तीज सेलेब्रेशन में राजस्थान की सिंगर दीपशिखा जैन और मधु भाट ने संगीतमय प्रस्तुति से समा बांध दिया, जिसका मजा दर्शकों ने जूम एप और फेसबुक के माध्यम से लिया। इस समारोह में ऑस्ट्रेलिया से स्वप्ना भूतड़ा, कनाडा से ज्योति भंडारी, नीदरलैंड से भूमिका जोशी, यूके से कृष्णा शेखावत और कविता पुंगलिया, अमेरिका से सीमा मूंदड़ा और ईजीप्ट से दीप्ति सिंह और दुबई से सोनल पुरोहित भी मौजूद रहे। तीज के पावन पर्व पर सबने अपने-अपने विचार साझा किए।

ग्लोबल एसोसिएशंस के साथ हुए ऑनलाइन कार्यक्रम

वसुधैव कुटुम्बकम् का साकार रूप

राजस्थान फाउंडेशन दुनियाभर के करीब 30 राजस्थानी एसोसिएशंस के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है, कोरोना के दौर में फाउंडेशन ने एसोसिएशंस के ऑनलाइन कार्यक्रमों में भाग लिया और अपनी बात उनके सदस्यों तक पहुंचाई। आज फाउंडेशन ने ऑस्ट्रेलिया, जापान, यूके, यूएई, रूस, युगांडा, म्यांमार, कनाडा, यूएसए, फ्रांस, पोलैंड, जर्मनी, स्विट्जरलैंड इत्यादि देशो में बसे राजस्थानियों को जोड़कर वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को साकार किया है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रवासियों के साथ उत्साह से मनाया गणगौर

राजस्थान एसोसिएशन ऑस्ट्रेलिया ने राजस्थान फाउंडेशन की सहभागिता से देश-विदेश में बसे प्रवासियों के साथ गणगौर का त्यौहार धूमधाम से मनाया। राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से कार्यक्रम में दुनियाभर के प्रवासियों को इस त्यौहार में शामिल होकर भरपूर आनन्द लेने का सुअवसर मिला।

युगांडा के प्रवासियों के साथ हर्षोल्लास से मनाया राजस्थान दिवस

राजस्थान फाउंडेशन और राजस्थान एसोसिएशन युगांडा ने मिलकर राजस्थान दिवस के उपलक्ष पर एक अनोखा कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें राजस्थान की पुरानी प्रेम गाथाओं पर चर्चा हुई। आरजे मनीषा ने अलग अंदाज में सुंदर प्रेम कहानियां सुनाई और राजस्थान की मिट्टी की खुशबू का सुखद एहसास दिलाया।

दुबई के प्रवासियों के साथ मनाया होली और राजस्थान दिवस

आरबीपीजी दुबई ने राजस्थान दिवस और होली राजस्थान फाउंडेशन की सहभागिता में मनाई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के माननीय उद्योग मंत्री परसादीलाल मीणा ने प्रवासियों को संबोधित करते हुए राजस्थान की औद्योगिक नीतियों और निवेश के अवसरों के बारे में प्रवासियों को अवगत कराया।

आरबीपीजी, दुबई सीआईआई के साथ निवेश पर चर्चा

राजस्थान फाउंडेशन, राजस्थान सरकार ने यूएई और राजस्थान के उद्योग सदस्यों के साथ एक इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया। आशुतोष ए.टी. पेडनेकर (प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड) ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर सीआईआई की पहल पर आयोजित इस इंटरनेशनल इंटरेक्शन का स्वागत किया। आयुक्त निवेश प्रोत्साहन ब्यूरो (बीआईपीी) अर्चना सिंह ने कहा कि हम राज्य में किसी भी प्रस्तावित निवेश को सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

आरबीपीजी के साथ देशभक्ति गीतों से किया वंदे मातरम्

राजस्थान फाउंडेशन ने स्वतंत्रा दिवस आरबीपीजी दुबई के साथ मिलकर मनाया। कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि दूर बैठे प्रवासियों के लिए ये प्रदेश बहुत प्रिय है और हम उन्हें उनकी माटी से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। इस उपलक्ष में देशभक्ति के गीतों का भी आयोजन हुआ। युगांडा में बसे व प्रवासी सम्मान अवार्ड से सम्मानित राजयेश चपलोत भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

अमेरिका के प्रवासियों के साथ मनाया नवरात्र त्यौहार

माहेश्वरी महासभा ऑफ नॉर्थ अमेरिका (एमएमएनए) ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का जश्न मनाते हुए 11 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2020 तक चलने वाले वर्चुअल उत्सव का आयोजन किया, जिसमें 600 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त श्री धीरज श्रीवास्तव ने जयपुर से ऑनलाइन सभा को संबोधित किया। उन्होंने ऐसे समय के दौरान और युवाओं को शामिल करने के लिए इस तरह के आयोजन के लिए एमएमएनए टीम की सराहना की।

कनाडा वासियों के साथ मनाई जगमग दिवाली

राना के सदस्यों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत।

राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (राना), कनाडा ने राजस्थान फाउंडेशन को वर्चुअल दिवाली के जश्न मनाने में शामिल किया। उसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दीपावली की शुभकामनाएं उन तक पहुंची।

कुछ अन्य प्रवासी एसोसिएशन के साथ हुए यादगार कार्यक्रम

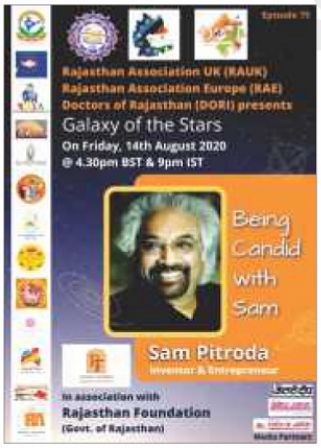

फांउडेशन ने 'बापू की याद' कार्यक्रम से भरा लोगों में नया जोश

कोरोना काल में प्रवासियों को दी शांति और सद्भाव की संजीवनी

कोरोना काल में जहां हर मन उदास और विचिलित रहा है। ऐसे समय में अपने प्रवासियों के लिए फाउंडेशन ने शांति और सुकून बढ़ाने वाले प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की थी । ऐसे वक्त में हमें जरूरत है गाँधी जी के मूल्यों को याद करने की जो भाईचारे, सद्भावना, सहिष्णुता, संवेदना, उदारता, कर्मनिष्ठा और कर्तव्य परायणता से आसक्त हैं।

धीरज श्रीवास्तव
कमिश्नर

राजस्थान के प्राचीन वाद्य यंत्रो पर गाँधी जी की प्रिय धुन को ऑनलाइन कार्यक्रम में सुनाया गया।

संजय खान, टीपू खान एवं लोक वाद्य यंत्रों के साथ अनुराग हुसैन, अमृत हुसैन।

राजस्थानी गायिका मनीषा अग्रवाल

सिंगर्स और लोक कलाकारों ने बापू के पसंदीदा भजन 'वैष्णव जन' को, प्राचीन वाद्य यंत्रो पर बजाकर एक अनूठी प्रस्तुति दी। राजस्थान फांउडेशन ने कोरोना काल में 'बापू की याद' एक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बापू के प्यार और अहिंसा के संदेश को पूरी दुनिया में फैलाना था। बापू के इस पसंदीदा भजन 'वैष्णव जन' ने लोगों में एक जोश और ऊर्जा भरने का काम किया ताकि लोग इस कोरोना की इस मुश्किल घड़ी में भी हिम्मत ना हारें। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित वैष्णव जन भजन पर आधारित इस कार्यक्रम में बापू के पसंदीदा भजन को राजस्थानी लोक कलाकारों ने वाद्य यंत्रों के साथ राजस्थानी धुनों के साथ बजाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया । राजस्थानी लोक संगीत बेहद लोकप्रिय है और पूरी दुनिया में सराहा जाता है, लेकिन यह संगीत इतना खास क्यों है? जिसका उत्तर यहां के अद्वितीय संगीत वाद्य यंत्र है। राजस्थान के प्राचीन वाद्य यंत्रो पर गाँधी जी की इस प्रिय धुन को सुनना अपने आप में नायाब था। लोक कलाकारों ने कमायचा, अलगोजा, खरताल जैसे यंत्रो पर इस धुन को बजाया। इस कार्यक्रम के दौरान राजस्थानी गायिका मनीषा अग्रवाल व राजस्थानी लोक गायक संजय खान, टीपू खान एवं लोक वाद्य यंत्रों के साथ अनुराग हुसैन, अमृत हुसैन, असीन खान लंगा, शकुर खान लंगा, नौशाद मंचला, अनिल आसोपा, टगा राम भील, तरुण डांगी, अजीज खान, घेवर खान, रफीक खान एवं गुनसर संगीत विद्यालय से मांगनियारों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति दी।

हमारी आस्था और विज्ञान के अद्भुत संगम को दुनिया भर ने निहारा और सराहा

इसमें कोई दो राय नहीं है कि राजस्थान शाही महलों, हवेलियों और किलों के लिए जाना जाता है। 'पधारो म्हारे देस' के साथ राजस्थान आपको तीर्थ दर्शन के लिए भी आमंत्रित करता है। राजस्थान अपने इतिहास, कला, संस्कृति एवं वीरों की भूमि होने के साथ-साथ देवी देवताओं की देवभूमि भी कहलाता है।

राजस्थान के प्राचीन मंदिरों की आस्था एवं उनसे जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों से हुए रूबरू

इजिप्ट में फिजिक्स की प्रोफेसर दीप्ति और प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. विक्रम भाटी ने प्रदेश के मंदिरों का एक नया पहलु किया उजागर

Ancient Temples of Rajasthan : the Science

राजस्थान के मंदिर राज्य के इतिहास को अपने अन्दर समेटे हुए है। सभी धर्मों के नये व प्राचीन मंदिर यहाँ के हर गांव-जिलों में मिलते है। राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से 'Ancient Temples of Rajasthan : the Science' के एक ऑनलाइन कार्यक्रम में राजस्थानी प्रवासी श्रीमती दीप्ति जी जो कि इजिप्ट में फिजिक्स की प्रोफेसर हैं, ने हमारे प्राचीन मंदिरों के पीछे जुड़े हुए वैज्ञानिक तथ्यों, इतिहास एवं उनसे जुडी आस्था से रुबरू करवाया। वहीं डॉ. विक्रम भाटी जी जो कि एक प्रसिद्ध इतिहासकार हैं और जोधपुर में सहायक निदेशक हैं, उनके द्वारा राजस्थान के मंदिरों के इतिहास और उनके पहलू जो सालों से हिस्ट्रोलिकली प्रमाणित हैं, ऐसे पहलुओं पर रोशनी डाली गई। इस अद्भुत और रोचक जानकारी को दुनियाभर के प्रवासियों ने देखा और इसकी मुक्त कंठ से प्रंशसा की।

अपनी कला

प्रवासी राजस्थानी परिवार के बच्चों को राजस्थान की कला-संस्कृति से जोड़ने का फाउंडेशन का प्रयास रंग लाया

राजस्थानी बच्चों से जोड़ा नाता

नई पीढ़ी को अपनी कला-संस्कृति से जोड़ने के लिए यह बहुत जरूरी है कि हम अपने बच्चों के मन में राजस्थान की संस्कृति के प्रति दिलचस्पी पैदा करें। जिससे हमारी इस अमूल्य विरासत को नष्ट होने से बचाया जा सकता है। नई पीढ़ी के हाथों में हमारी यह कला संस्कृति और धरोहर पूरी तरह सुरक्षित रहे, इस दिशा में हमारे प्रयास हैं।

लोक कथा 'चल मेरी ढोलकी धमाक-धम'

राजस्थान फाउंडेशन ने प्रवासी राजस्थानी परिवारों के बच्चों के लिए एक ऑनलाइन रोचक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में सीमा मूंदड़ा जो कि यूएसए की राजस्थानी प्रवासी है, द्वारा प्रसिद्ध लोक कथा 'चल मेरी ढोलकी धमाक-धम' सुनाई गई। उन्होंने राजस्थानी बच्चे 'झिंटिया' की कहानी को भी बड़े रोचक ढंग से सुनाया। राजस्थान फाउंडेशन का प्रवासी बच्चों को राजस्थान की कला-संस्कृति से जोड़ने का अनूठा प्रयास 'चल मेरी ढोलकी धमाक धम' रहा। राजस्थान की लोक कथाएं देश-विदेश में बहुत ही प्रसिद्ध हैं, उन्ही में से एक लोककथा बच्चों को सुनाई गई। इस कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी परिवारों के करीब 150 बच्चे ऑनलाइन रूप से जुडे और हजारों लोगों ने फेसबुक आदि पर इसे लाईव देखा। प्रवासी बच्चों ने बहुत उल्लास के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया, दुबई, रंगून, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका आदि देशों के प्रवासी बच्चों ने भाग लिया।

सीमा मूंदड़ा बच्चों को अपनी कहानी सुनाते हुए

देथा और कोठारी ने बच्चों को दी रोचक जानकारियां

इस कार्यक्रम में कैलाश कबीर देथा और कुलदीप कोठारी ने भी भाग लिया।

सुप्रसिद्ध लेखक व पद्मश्री स्व. विजयदान देथा के पुत्र श्री कैलाश कबीर देथा ने ऑनलाइन कार्यक्रम में बताया कि उनके पिता ने राजस्थानी लोक कथाओं को संकलित किया था। रवींद्रनाथ टैगोर के बाद बिज्जी ही भारतीय उपमहाद्वीप के एकमात्र ऐसे लेखक हैं, जिनका नाम 2011 में साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए नामित हुआ था। वहीं पद्म भूषण स्व. श्री कोमल कोठारी के पुत्र श्री कुलदीप कोठारी ने बताया कि अरना-झरना मरुस्थल संग्रहालय में राजस्थान के जनजीवन, पर्यावरण एवं प्रदर्शनकारी कलाओं की स्थायी एवं अस्थायी झांकियां संजोई गई है।

पतंगों में भर दिए मासूमियत के रंग

पतंग बनाओ, संक्रांत मनाओ : संक्रांत के अवसर पर बच्चों ने भेजी अपनी रचनात्मक पतंगें

रणवीर शर्मा, लंदन से अपनी पतंग के साथ

विनिता लड्ढा, पुणे

सरला मोहंता और उनकी पोती अहाना मोहंता राउरकेला, उड़ीसा

सीमा मूंदड़ा, यूएसए

प्रवासी बच्चों से बोला गया कि राजस्थान के रंग अपने मन से कागज में भर दो। प्रतिभावान बच्चों ने अपनी चित्रकारी भेजी। शगुन पुरोहित की कलात्मक चित्रकारी को राजस्थान फाउंडेशन ने अपने न्यू ईयर ग्रीटिंग कार्ड में उतारा।

फाउंडेशन ने न्यू ईयर ग्रीटिंग पर उकेरी बच्चों की कलाकारी

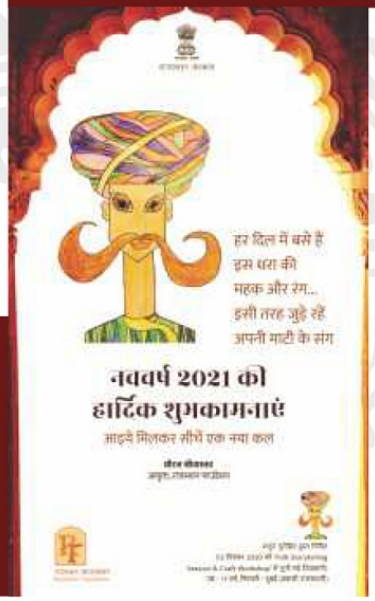

हमारे प्रयास

एसएमएस कॉलेज में डॉ. जयवीर का व्याख्यान

प्रवासी चिकित्सकों और सरकार के बीच कड़ी बनने का प्रयास

राजस्थान फाउंडेशन, राजस्थानी एनआरआई डॉक्टर और मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र संघ द्वारा पहला अतिथि व्याख्यान 31 मार्च 2021 को आयोजित किया गया। यूएसए के डॉ. जयवीर सिंह राठौड़ ने मिर्गी रोग पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में राठौड़ के अलावा डॉ. चारु सकलेचा (यूके) व राजस्थान के अन्य एनआरआई चिकित्सकों ने भी भाग लिया। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुधीर भंडारी और अतिरिक्त प्रिंसिपल अमरजीत मेहता ने भी समारोह को संबोधित किया। सभी डॉक्टर आगे आकर राजस्थान व यहां के लोगों के लिए अपनी सेवाएं देना चाहते हैं। उन्हें अपनी माटी से जोड़ने के लिए राजस्थान फाउंडेशन मुख्य भूमिका निभा रहा है। राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव राज्य सरकार और इन डॉक्टर्स के बीच की कड़ी बनकर इस कार्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।

राजस्थानी भाषा के पहले कैलेंडर का लोकार्पण

भारतीय काल गणना पर आधारित राजस्थानी भाषा में तैयार पहले कैलेंडर का लोकार्पण नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थानी भाषा, कला और संस्कृति देश दुनिया में अपनी अलग पहचान रखती है। अब राजस्थानी भाषा में पहली बार तैयार कैलेंडर राजस्थानी भाषा के प्रति आम लोगों में भाषाई ज्ञान को बढ़ाने में कारगर साबित होगा।

प्रवासी राजस्थानियों के लिए माटी की सौंधी सुगंध है माणक पत्रिका : श्रीवास्तव

माणक के प्रधान संपादक पदम मेहता ने किया राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव का सम्मान

राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव के पाली एवं जोधपुर दौरे के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के दौरान समय निकालकर दैनिक जलते दीप व माणक पत्रिका के मुख्यालय पहुंचे। वहां प्रधान संपादक पदम मेहता ने अल्पकाल में उनके द्वारा प्रवासी राजस्थानियों से संवाद व राजस्थान से भावनात्मक जुड़ाव के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए बधाई देते हुए उनका राजस्थानी साफा पहना और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने इस मौके कहा कि माणक पत्रिका 40 वर्षों से राजस्थान की भाषा संस्कृति को संजोए हुए है। यह पत्रिका प्रवासी राजस्थानियों के लिए अपनी माटी की सौंधी सुगंध है। इस दौरान कई मुद्दों पर आपसी चर्चा में प्रवासियों के प्रदेश की विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक योजनाओं और विकास के लिए विशेष रूप से जुड़ाव पर बल दिया गया।

केर्यन पिंकसिटी हॉफ वर्चुअल मैराथन को किया प्रमोट, जारी की टी-शर्ट

मास्क ही वैक्सीन है की थीम पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा के मुताबिक कोरोना जागरूकता के लिए राजस्थान फाउंडेशन ने केयर्न के साथ मिलकर मैराथन के प्रमोशन स्वरूप टी-शर्ट जारी किया। वेदांत समूह मैराथन में मुख्य सहयोगी रहा। केर्यन पिंकसिटी हॉफ वर्चुअल मैराथन ने भारत की सबसे बड़ी वर्चुअल मैराथन का रिकॉर्ड बनाया। इस मौके पर राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने मैराथन की टी-शर्ट भी जारी की। मैराथन प्रमुख डॉ. मनोज सोनी भी मौजूद रहे।

धीरज श्रीवास्तव का आमिर खान से वर्चुअल संवाद

राजस्थान फिल्म उद्योग को प्रतिष्ठा दिलाने के प्रयास

कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव ने सुप्रसिद्ध बॉलीवुड स्टार आमिर खान को प्रस्तावित फिल्म पॉलिसी एवं राज्य सरकार द्वारा राज्य में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया। फिल्म प्रोड्यूसर व कलाकारों को राज्य में होने वाली समस्याओं को दूर करने का भी आश्वासन दिया। साथ ही राज्य के स्थानीय कलाकारों ने बॉलीवुड में भागीदारी दिलाने का अनुरोध किया। अभिनेता आमिर खान ने बताया कि वह राजस्थान के आतिथ्य सत्कार से हमेशा प्रभावित रहे हैं यहां की रॉयल संस्कृति हमेशा उनको लुभाती है। आमिर खान ने राज्य में फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु काफी महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिनमें फिल्म निर्माताओं के लिए सिंगल विंडो सल्यूशन प्रमुख है। राज्य सरकार द्वारा जारी ड्राफ्ट फिल्म पॉलिसी की सराहना करते हुए इसे फिल्म प्रोड्यूसर्स गिल्ड में रखने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने राज्य सरकार के नवाचारों से रूबरू करवाने एवं सुझावों के साथ व्यक्तिगत वार्तालाप हेतु कमिश्नर का आभार व्यक्त किया।

फिल्म प्रोड्यूसर्स गिल्ड के साथ संवाद कार्यक्रम

राजस्थान फाउंडेशन द्वारा फिल्म प्रोड्यूसर्स गिल्ड के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित फिल्म सिटी और फिल्म नीति के लिए सुझाव मांगे गए, जिससे स्थानीय कलाकारों को अवसर मिले।

आइए जानें, वर्चुअल संवाद में किसने क्या कहा

> राजस्थान के जयपुर सहित सभी जिलों में फिल्मों की शूटिंग के लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत लोकेशंस हैं। जिसके लिए बॉलीवुड प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से अनुरोध करूंगा।

आमिर खान
एक्टर, फिल्म प्रोड्यूसर

> धीरज श्रीवास्तव जी का मैं शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन के मंच से इस मुद्दे पर हमें अपने विचार रखने का मौका दिया।

सिद्धार्थ रॉय कपूर
फिल्म प्रोड्यूसर, अध्यक्ष फिल्म प्रोड्यूसर्स गिल्ड

> राजस्थान के मंडावा और सांभर लेक इसका जीता जागता उदाहरण हैं जहां आमिर खान की पीके की शूटिंग के बाद यहां पर पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई है।

मधु भोजवानी
फिल्म प्रोड्यूसर

> हमारा यही उद्देश्य रहेगा कि शूटिंग करने के लिए यहां आने वालों को किसी भी प्रकार की समस्या ना आएं और हमारे प्रदेश के पर्यटन को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा मिले।

गायत्री राठौड़
प्रिंसिपल सेक्रेटरी टूरिज्म डिपार्टमेंट ऑफ राजस्थान

> फिल्मों की शूटिंग के लिए स्टूडियो बनाने और शूटिंग में इंसेंटिव देने जैसी पॉलिसी की जरूरत है। ताकि राजस्थान में फिल्मों और डेली सोप की शूटिंग होगी तो पर्यटन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुग्धा सिन्हा
महानिदेशक, जवाहर कला केंद्र

> राजस्थान में एक्टिंग स्कूल और इंस्ट्रीटयूट खोलने की जरूरत है। जिससे यहां के बच्चों को एक्टिंग की ऑपरच्यूनिटी मिलेगी ओर रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

धीरज श्रीवास्तव
अध्यक्ष, राजस्थान फाउंडेशन

राजस्थान फाउंडेशन के यादगार पलों की झलकियां

बीकानेर हाउस में विदेशी गणमान्य अतिथियों के साथ

केरल आईएएस चीफ इलेक्शन ऑफिसर टीआर मीणा के साथ

डीआर धोदावत आईएएस गवर्नर सेक्रेटरी (केरल) के साथ

प्रमुख एनआरआरएस के साथ

राजस्थान मंत्रिमंडल के साथ मनाया राजस्थान दिवस

केरल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का स्वागत

एमआईए सभागार जोधपुर में उद्यमियों के साथ

पुणे में बातचीत करते कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव

असम में पुस्तिका का लोकार्पण करते हुए

राजस्थान यूनिवर्सिटी में शहीद दिवस पर

मरू उत्सव 2021 को हरी झंडी दिखाते हुए

कोलकाता दौरे के दौरान संबोधित करते श्रीवास्तव

नोरका (NORKA) केरल से भेंट

जैसलमेर में परम्परागत मरू महोत्सव में शिरकत

अहमदाबाद प्रवासियों के साथ मुलाकात

केरल सीएस से मुलाकात करते हुए

एम्स दिल्ली में रक्तदान शिविर में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

असम दौरे के दौरान सम्मानित हुए कमिश्नर

प्रवासियों के साथ वर्चुअल संवाद करते मुख्यमंत्री

अखबारों की सुर्खियों में राजस्थान फाउंडेशन

Hope you liked our journey of bringing our people together & keeping the tradition alive.

We welcome your suggestion & feedback.

राजस्थान फाउण्डेशन

Global Pravasi Associations : Our Partners

Jaipur Office : Yojana Bhawan, Yudhisthir Marg, C Scheme, 302001, Jaipur, Rajasthan | **Phone :** 0141-2229111,2222671
Delhi Office : Bikaner House, Pandara Road, New Delhi-110003 | **Phone :** 011-23070807
Email : rajfound-rj@nic.in, rajfoundation@rajasthan.gov.in